



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

1 भाद्र 1939 (श10)

(सं0 पटना 737) पटना, बुधवार, 23 अगस्त 2017

निर्वाचन विभाग

अधिसूचना

22 अगस्त 2017

सं0 ई2-2-27/2016- 2827—श्री विनय कुमार (बिहार निर्वाचन सेवा), उप निर्वाचन पदाधिकारी, वैशाली के विरुद्ध श्री पियूष दत्ता, बंगाली स्वीट्स, कृष्णापुरी कॉलोनी, अंजानपीर चौक (हाजीपुर) वैशाली द्वारा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार एवं भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली को समर्पित परिवाद के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, वैशाली के पत्रांक-1236 दिनांक 18.11.2016 द्वारा प्रपत्र 'क' में प्रतिवेदित प्रथम दृष्टया प्रमाणित आरोपों— (i) बिहार विधान-सभा निर्वाचन- 2015 के अवसर पर भोजन सामग्री की आपूर्ति करने वाले आपूर्तिकर्ता से रिश्वत की मांग करने (ii) आपूर्तिकर्ता को आवास पर बुलाकर राशि की मांग करने एवं (iii) रिश्वत की राशि के लिए संचिका को लंबित रखने के लिए श्री विनय कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी, वैशाली के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई हेतु अनुरोध किया गया। उक्त के क्रम में निर्वाचन विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-4652 दिनांक 19.12.2016 के द्वारा गठित आरोपों के क्रम में श्री विनय कुमार से बिन्दुवार स्पष्टीकरण की मांग की गयी। जिसके क्रम में श्री विनय कुमार द्वारा दिनांक 28.12.2016 को स्पष्टीकरण समर्पित किया गया। समर्पित स्पष्टीकरण असंतोषजनक पाये जाने के फलस्वरूप विभागीय संकल्प ज्ञापांक-493 दिनांक 10.02.2017 द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-17(2) में विहित रीति से विभागीय कार्यवाही चलाये जाने का निर्णय लिया गया। जिसके लिए संचालन पदाधिकारी प्रमंडलीय आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर को तथा जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी, वैशाली द्वारा नामित जिला कार्यालय वैशाली में पदस्थापित वरीय पदाधिकारी (बिहार प्रशासनिक सेवा) को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। विभागीय कार्यवाही के संचालन के उपरान्त प्रमंडलीय आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर के पत्रांक-249 दिनांक 26.04.2017 द्वारा जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया। बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-18(3) के आलोक में जांच प्रतिवेदन में अंकित संचालन पदाधिकारी के मंतव्य से अनुशासनिक प्राधिकार की असहमति के बिन्दुओं— (i) सी0डी0 में स्वयं की उपस्थिति के संबंध में परस्पर विरोधाभासी वक्तव्य देने, (ii) सरकारी सेवक के विरुद्ध आचरण कर आपूर्तिकर्ता पर दबाव बनाकर भयादोहन करने की कोशिश करने, (iii) जांच के उत्तरवर्तीकरण में सी0डी0 के FSL जांच की मांग कर विभागीय कार्यवाही को विलंबित रखने एवं (iv) आपूर्तिकर्ता को बुलाकर उनसे नाजायज राशि की मांग करने को अंकित करते हुए विभागीय पत्रांक-1887 दिनांक 08.06.2017 के द्वारा श्री विनय कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी, वैशाली से द्वितीय कारण पृच्छा की गयी। जिसके क्रम में श्री कुमार द्वारा दिनांक 30.06.2017 को स्पष्टीकरण एवं दिनांक 21.07.2017 को पूरक स्पष्टीकरण समर्पित किया गया। द्वितीय कारण पृच्छा के समीक्षोपरान्त श्री विनय कुमार द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण में कोई नवीन तथ्य नहीं पाया गया। यद्यपि श्री विनय कुमार के विरुद्ध लगाये गये आरोप एवं साक्ष्यस्वरूप उपलब्ध कराये गये सी0डी0 से कोई वित्तीय अनियमितता प्रमाणित नहीं हुई है तथापि उपलब्ध अभिलेख एवं सी0डी0 में हुई बातचीत के लिप्यांतरण से स्पष्ट होता है कि श्री कुमार द्वारा अनुचित लाभ प्राप्त करने का प्रयास किया जाना प्रमाणित है, जो सरकारी सेवक के आचरण के सर्वथा विपरीत है। उक्त के आलोक में श्री विनय कुमार,

उप निर्वाचन पदाधिकारी, वैशाली के विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम-18(5) में वर्णित प्रावधानों के आलोक में उक्त नियमावली के नियम-14 में अंकित लघु शास्तियों में से निम्नांकित शास्ति अधिरोपित करने का निर्णय लिया गया है—

- (i) निन्दन एवं
- (ii) एक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक। उक्त निर्णय के आलोक में श्री विनय कुमार (बिहार निर्वाचन सेवा) उप निर्वाचन पदाधिकारी, वैशाली को
- (i) निन्दन एवं
- (ii) एक वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक की शास्ति अधिरोपित की जाती है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
नवल किशोर शर्मा,
सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सहायक सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित,
बिहार गजट (असाधारण) 737-571+10-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>